VeniSanhaar 3.37

सूतो वा सूतपुत्रो वा यो वा को वा भवाम्यहम्।
दैवायत्तं कुले जन्म मदायत्तं तु पौरुषम्॥

Hindi Translation

मैं चाहे सूत हूँ या सूतपुत्र, अथवा कोई और। किसी कुल-र्विशेष में जन्म लेनायह तो दैव के अधीन है, लेकिन मेरे पास जो पौरुष है उसे मैंने पैदा किया है॥

ePaperPDF.com